

Code No. 5711

Roll No.

SET : A

D. El. Ed. 1st Year Exam., Feb./March – 2023

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

समय : 2 घण्टे]

[Max. Marks : 35

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश : –

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये **कोड नम्बर** तथा **सेट** को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, **परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।**

निर्देशाः –

- (क) **सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।**
- (ख) **लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।**
- (ग) **प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।**
- (घ) **प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।**

5711/(Set : A)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या - 2 × 3 = 6
- (क) पठनकौशलेन कोऽभिप्रायः ? अस्य विभिन्नानां प्रकाराणां वर्णनं कुरुत।
- (ख) संस्कृतभाषायाः महत्त्वं विविधरूपेण प्रतिपादयति।
- (ग) भाषायाः विविधरूपाणां परिचयं लिखन्, अस्याः शिक्षणोद्देश्यानां वर्णनं कुरुत।
2. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) 'हलन्त्यम्' इत्यस्य सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्या कार्या।
- (ख) संधिप्रकरणस्य विविधरूपाणां सोदाहरणं व्याख्या कार्या।
3. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) ऋग्वेदसंहितायाः संक्षिप्तरूपेण वर्णनं कुरुत।
- (ख) रामायणस्य साहित्यिकमहत्त्वं प्रतिपादयत।
4. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) व्याकरणशिक्षणस्य अधुना का व्यवस्था ? अस्य विभिन्नानां रूपाणां वर्णनं सोदाहरणं करणीयम्।
- (ख) पाठ-प्रस्तावना-कौशलस्य व्याख्या कार्या।
5. **एकस्य** विशदरूपेण उत्तरं लिखत - 1 × 5 = 5
- (क) ब्राह्मणसाहित्यस्य परिचयं लिखत।
- (ख) 'उपमाकालिदासस्य' सूक्तिरियं समाधेया।

भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि - 15 × 1 = 15
- (क) अक्षर-विन्यासाय को विधिः समीचीनः अस्ति ?
- (i) अनुकरण विधिः (ii) चित्रविधिः
- (iii) मांटेसरी विधिः (iv) सर्वे

- (ख) 'न सोऽस्ति प्रत्ययो लोके यः शब्दानुक्रमादृतो
अनुविद्धमिव ज्ञानं सर्वं शब्देन भाषते॥'
सूक्तिरियं कुतः संकलिता ?
- (i) वाक्यपदीयात् (ii) यजुर्वेदात्
(iii) काव्यप्रकाशात् (iv) ऋग्वेदात्
- (ग) 'भ्रातृ' प्रातिपदिकं फारसीभाषायाम् अस्ति -
- (i) ब्रदर (ii) बिरोदर
(iii) बरोदर (iv) बिरादर
- (घ) 'संस्कृतभाषा' आगच्छति -
- (i) विशेषपरिवारे (ii) भारोपीयपरिवारे
(iii) द्रविड़परिवारे (iv) तिब्बतपरिवारे
- (ङ) 'ऋकारस्य' उच्चारणस्थानम् अस्ति -
- (i) मूर्धा (ii) कण्ठः
(iii) तालुः (iv) दन्तः
- (च) 'क + आ + र् + त् + स् + न् + य् + अ + म्' इत्यस्य पदच्छेदस्य रूपं स्यात् -
- (i) कारत्स्न्यम् (ii) कात्स्न्यम्
(iii) कार्तस्न्यम् (iv) किमपि न
- (छ) 'मातृ + अंशः' इत्यस्य सन्धिपदम् अस्ति -
- (i) मातृशः (ii) मात्रंशः
(iii) मार्तशः (iv) मातंशः
- (ज) 'सवर्णसंज्ञा' विधायकं सूत्रम् अस्ति -
- (i) हलन्त्यम् (ii) सुप्तिङन्तपदम्
(iii) परः सन्निकर्षसंहिता (iv) तुल्यास्यप्रयत्नं०
- (झ) 'भू' धातोः लङ्लकारस्य उत्तमपुरुषे एकवचने रूपं स्यात् -
- (i) अभवत् (ii) अभवः
(iii) अभवम् (iv) अभवम्

(ज) 'लता' इत्यस्य प्रातिपदिकस्य द्वितीयाविभक्तौ बहुवचने रूपं स्यात् -

- | | |
|------------|------------|
| (i) लता | (ii) लताः |
| (iii) लतया | (iv) लतान् |

(ट) 'उत्तररामचरितम्' नाटकमस्ति -

- | | |
|--------------|-----------------|
| (i) भवभूतेः | (ii) कालिदासस्य |
| (iii) माघस्य | (iv) भासस्य |

(ठ) वेदाङ्गानि सन्ति -

- | | |
|------------|-----------|
| (i) पञ्च | (ii) षट् |
| (iii) सप्त | (iv) अष्ट |

(ड) पद्य-शिक्षणे सम्मिलितः अस्ति -

- | | |
|----------------------|---------------------|
| (i) प्रस्तावना | (ii) प्रस्तुतीकरणम् |
| (iii) उद्देश्य-कथनम् | (iv) सर्वे |

(ढ) कथा-शिक्षणे सम्मिलितः अस्ति -

- | | |
|----------------------|------------------|
| (i) पूर्वज्ञानम् | (ii) मूल्यांकनम् |
| (iii) शुद्धोच्चारणम् | (iv) सर्वे |

(ण) 'नाट्य' भिन्नरुचेर्जनस्य बहुधारयेकम् समाराधनम्।

कस्य नाटकस्य भूमिकायां लिखितमस्ति ?

- | | |
|-------------------------|--------------------------|
| (i) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य | (ii) मालविकाग्निमित्रस्य |
| (iii) उत्तररामचरितस्य | (iv) मालतीमाधवस्य |

Code No. 5711

Roll No.

SET : B

D. El. Ed. 1st Year Exam., Feb./March – 2023

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश : –

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः –

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।

5711/(Set : B)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या - 2 × 3 = 6
 - (क) प्राचीनभारतीयभाषाणां वर्गीकरणे टिप्पणीं लिखत।
 - (ख) श्रवणकौशलेन कोऽभिप्रायः ?
 - (ग) संस्कृतभाषायाः श्रेष्ठसाहित्ये टिप्पणीं कुरुत।
2. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
 - (क) 'अदर्शनं लोपः' 'सुप्तिङन्तं पदम्' च इत्यनयोः **द्वयोः** सूत्रयोः व्याख्या कार्या।
 - (ख) 'हरि' प्रातिपदिकस्य सर्वाणि रूपाणि लिखत।
3. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
 - (क) निरुक्तमधिकृत्य एकां टिप्पणीं लिखत।
 - (ख) 'दण्डिकः पदलालित्यम्' इति श्रुतिः समाधेया।
4. **एकः** प्रश्नः करणीयः - 1 × 3 = 3
 - (क) वर्तमानकाले व्याकरणशिक्षणं प्रति एकां टिप्पणीं कुरुत।
 - (ख) श्लोकोच्चारणविधिना कोऽभिप्रायः ?
5. **एकः** प्रश्नः विशदरूपेण करणीयः - 1 × 5 = 5
 - (क) आरण्यकसाहित्ये एकां विशदटिप्पणीं लिखत।
 - (ख) महाभारतम् उपजीव्यकाव्यरूपेण स्थापयत।

भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि - 15 × 1 = 15
 - (क) भाषणकौशल-विषये किम् असंगतम् ?
 - (i) मौनम्
 - (ii) सस्वरवाचनम्
 - (iii) वार्तालापः संवादश्च
 - (iv) प्रश्नोत्तरम्

- (ख) वाक्य-विन्यासाय को विधिः समुचितोऽस्ति ?
- (i) श्रुतलेखः (ii) अनुलिपिः
(iii) सुलेखः (iv) सर्वे
- (ग) इदमन्धतमः कृत्स्नं जायेत भुवनत्रयम्।
यदि शब्दाह्वयं ज्योतिरासंसारं न दीप्यते॥
– सूक्तिरियं कुतः संकलिता ?
- (i) महाभाष्यात् (ii) ऋग्वेदात्
(iii) काव्यादर्शात् (iv) वाक्यपदीयात्
- (घ) इत्संज्ञा विधायकं सूत्रम् अस्ति –
- (i) तस्य लोपः (ii) अदर्शनं लोपः
(iii) हलन्त्यम् (iv) सुप्तिङन्तं पदम्
- (ङ) कालिदासस्य नाटकमस्ति –
- (i) मालतीमाधवम् (ii) स्वप्नवासवदत्तम्
(iii) मालविकाग्निमित्रम् (iv) मृच्छकटिकम्
- (च) संस्कृतभाषाया 'पितृ' प्रातिपदिकं फारसीभाषायाम् अस्ति –
- (i) पिदर (ii) फिदर
(iii) पिथरः (iv) पितर
- (छ) 'लृकारस्य' उच्चारणस्थानमस्ति –
- (i) तालुः (ii) दन्तः
(iii) मूर्धा (iv) कण्ठः
- (ज) 'कात्स्न्यम्' इत्यस्य पदच्छेदः अस्ति –
- (i) क् + आ + र् + त् + स् + न् + य् + अ + म्
(ii) क् + आ + र् + अ + त् + स् + न् + य् + म्
(iii) क् + ऋ + आ + त् + स् + न् + य् + म्
(iv) कोऽपि न

- (झ) 'अस्' धातोः लृट्लकारस्य प्रथमपुरुषे द्विवचने रूपं स्यात् –
 (i) भविष्यति (ii) असिष्यतः
 (iii) भविष्यतः (iv) असिष्यन्ति
- (ञ) 'रमा' इत्यस्य प्रातिपदिकस्य सप्तमीविभक्तौ एकवचने रूपं स्यात् –
 (i) रमे (ii) रमायाम्
 (iii) रमायै (iv) रमायाः
- (ट) 'वेदाङ्गसाहित्ये' नास्ति –
 (i) निरुक्त (ii) व्याकरणम्
 (iii) शिक्षा (iv) अथर्ववेदः
- (ठ) 'तव + लृकारः' इत्यस्य सन्धिपदं स्यात् –
 (i) तवल्कारः (ii) तवृकारः
 (iii) तवर्कारः (iv) तलृकारः
- (ड) पद्य-शिक्षणे सम्मिलितः अस्ति –
 (i) प्रस्तावना (ii) प्रस्तुतीकरणम्
 (iii) उद्देश्यकथनम् (iv) सर्वे
- (ढ) नाट्यशास्त्रमस्ति –
 (i) भवभूतेः (ii) भरतमुनेः
 (iii) कालिदासस्य (iv) भारवेः
- (ण) कालिदासस्य प्रसिद्धः अलंकारः अस्ति –
 (i) उत्प्रेक्षा (ii) रूपकम्
 (iii) उपमा (iv) अर्थान्तरन्यासः

Code No. 5711

Roll No.

SET : C

D. El. Ed. 1st Year Exam., Feb./March – 2023

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश :-

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः –

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।

5711/(Set : C)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या - 2 × 3 = 6
- (क) लेखनकौशलेन कोऽभिप्रायः ? छात्रेषु अस्य विकासं कर्तुं उपायान् लिखत।
- (ख) संस्कृतभाषायाः महत्त्वं विविधरूपेण प्रतिपादयत।
- (ग) भाषाशिक्षणस्य उद्देश्यानि लिखितानि।
2. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) 'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्' इत्यस्य सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्यां कुरुत।
- (ख) सुबन्तप्रकरणस्य संक्षिप्तरूपेण परिचयं लिखत।
3. **एकः** प्रश्नः करणीयः - 1 × 3 = 3
- (क) यजुर्वेदसंहितायाः संक्षिप्तरूपेण वर्णनं कुरुत।
- (ख) महाभारतस्य साहित्यिकमहत्त्वं प्रतिपादयत।
4. **एकस्य** प्रश्नस्य उत्तरं लिखत - 1 × 3 = 3
- (क) व्याकरणशिक्षणस्योपरि एकां संक्षिप्तटिप्पणीं लिखत।
- (ख) श्लोकोच्चारणविधिना कोऽभिप्रायः ? संक्षिप्तरूपेण वर्णनं कुरुत।
5. **एकः** प्रश्नः विशदरूपेण समाधेयः - 1 × 5 = 5
- (क) 'वेदः' इत्यनेन कोऽभिप्रायः ? वेदानां महत्त्वं प्रतिपादयत।
- (ख) 'उपमा कालिदासस्य' इत्यस्य वचनस्य व्याख्या कार्या।

भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि - 15 × 1 = 15
- (क) 'प्रतीतः पदार्थको लोके ध्वनिः शब्दः' कस्य उक्तिरियम् ?
- (i) पाणिनेः (ii) दण्डिनः
- (iii) पतञ्जलः (iv) विश्वनाथस्य

(ख) 'ऐतरेय ब्राह्मणः' कस्य वेदस्य ब्राह्मणोऽस्ति ?

- | | |
|-------------------|------------------|
| (i) ऋग्वेदस्य | (ii) अथर्ववेदस्य |
| (iii) यजुर्वेदस्य | (iv) सामवेदस्य |

(ग) संस्कृतं कस्मिन् परिवारे आगच्छति ?

- | | |
|----------------------|---------------------|
| (i) विशेषपरिवारे | (ii) भारोपीयपरिवारे |
| (iii) द्रविड़परिवारे | (iv) कस्मिन्नापि न |

(घ) पाणिनेः रचनायाः किं नाम ?

- | | |
|-------------------|------------------|
| (i) महाभाष्यम् | (ii) गीता |
| (iii) अष्टाध्यायी | (iv) वाक्यपदीयम् |

(ङ) 'डकारस्य' उच्चारणस्थानम् अस्ति -

- | | |
|-------------|------------|
| (i) मूर्धा | (ii) दन्तः |
| (iii) कण्ठः | (iv) तालुः |

(च) 'लोपसंज्ञा' विधायकं सूत्रम् किम् ?

- | | |
|------------------|------------------------|
| (i) अदर्शनं लोपः | (ii) आदिरन्त्येन सहेता |
| (iii) हलन्त्यम् | (iv) तस्य लोपः |

(छ) 'प्रज्ञा' इत्यस्य वर्णच्छेदः स्यात् -

- | | |
|-----------------------------------|----------------------------------|
| (i) प् + र् + ज् + ज्ञ् + आ | (ii) प् + र् + अ + ज् + ज्ञ् + आ |
| (iii) प् + अ + र् + ज् + ज्ञ् + अ | (iv) कोऽपि न |

(ज) 'रत्न + ईशः' किं सन्धिपदम् ?

- | | |
|---------------|--------------|
| (i) रत्नीशः | (ii) रतेशः |
| (iii) रत्नेशः | (iv) रत्निशः |

(झ) 'धातृ + अंश' इत्यस्य सन्धिः स्यात् -

- | | |
|--------------|--------------|
| (i) धातृशं | (ii) धात्रंश |
| (iii) धातर्श | (iv) धातर्श |

(ज) 'गम्' धातोः लङ्लकारस्य उत्तमपुरुषे एकवचने रूपं भवति –

- | | |
|---------------|--------------|
| (i) अगच्छम | (ii) अगच्छाव |
| (iii) अगच्छाम | (iv) अगच्छम् |

(ट) वेदाः सन्ति –

- | | |
|-------------|------------|
| (i) चत्वारः | (ii) त्रयः |
| (iii) द्वौ | (iv) पञ्च |

(ठ) उपमा ? (रिक्तस्थानं पूरयत।)

- | | |
|------------------|-------------|
| (i) भवभूतेः | (ii) माघस्य |
| (iii) कालिदासस्य | (iv) भारवेः |

(ड) पाठयोजनायाः कति प्रकाराः सन्ति ?

- | | |
|---------------|------------|
| (i) द्वौ | (ii) त्रयः |
| (iii) चत्वारः | (iv) पञ्च |

(ढ) 'मालविकाग्निमित्रम्' कस्य रचना अस्ति ?

- | | |
|----------------|----------------|
| (i) कालिदासस्य | (ii) भवभूते |
| (iii) भासस्य | (iv) कस्यापि न |

(ण) 'जकारस्य' उच्चारणस्थानम् अस्ति :-

- | | |
|-------------|----------------|
| (i) तालुः | (ii) दन्तौष्ठः |
| (iii) औष्ठः | (iv) कण्ठः |

Code No. 5711

Roll No.

SET : D

D. El. Ed. 1st Year Exam., Feb./March – 2023

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश :-

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये **कोड नम्बर** तथा **सेट** को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, **परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।**

निर्देशाः -

- (क) **सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।**
- (ख) **लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।**
- (ग) **प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।**
- (घ) **प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।**

5711/(Set : D)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या संक्षिप्तरूपेण कार्या - 2 × 3 = 6
 - (क) प्राचीनभारतीयानां भाषाणामुपरि एकां टिप्पणीं लिखत।
 - (ख) संस्कृतभाषायाः श्रेष्ठसाहित्ये टिप्पणीं लिखत।
 - (ग) श्रवणकौशलेन कोऽभिप्रायः ?
2. **एकस्य** प्रश्नस्य उत्तरं लिखत - 1 × 3 = 3
 - (क) 'हलन्त्यम्' 'आदिरन्त्येन सहेता' इत्यनयोः सूत्रयोः व्याख्या कार्या।
 - (ख) 'रमा' प्रातिपदिकस्य सर्वाणि रूपाणि लिखितानि।
3. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
 - (क) वेदाङ्गं निरुक्तमधिकृत्य एकां टिप्पणीं लिखत।
 - (ख) 'दण्डिनः पदलालित्यम्' इतिश्रुतिः समाधेया।
4. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
 - (क) वर्तमानकाले व्याकरणशिक्षस्य का व्यवस्था ? व्याख्या कार्या।
 - (ख) श्लोकोच्चारणविधिना कोऽभिप्रायः ?
5. **एकः** प्रश्नः विशदरूपेण करणीयः - 1 × 5 = 5
 - (क) यजुर्वेदसंहितामधिकृत्य एकां विशदटिप्पणीं लिखत।
 - (ख) महाभारतम् उपजीव्यकाव्यरूपेण स्थापयत।

भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि - 15 × 1 = 15
 - (क) 'न सोऽस्ति प्रत्ययो लोके यः शब्दानुक्रमादृते।
अनुविद्धमिव ज्ञानं सर्वं शब्देन भाषते॥'
कुतः संकलिता सूक्तिरियं ?
 - (i) काव्यप्रकाशात्
 - (ii) वाक्यपदीयात्
 - (iii) यजुर्वेदात्
 - (iv) ऋग्वेदात्

- (ख) अक्षर-विन्यासाय को विधिः समीचीनः अस्ति –
- | | |
|--------------------|------------------|
| (i) मांटेसरी विधिः | (ii) अनुकरणविधिः |
| (iii) चित्रविधिः | (iv) सर्वे |
- (ग) 'भ्रातृ' प्रातिपदिकं फारसीभाषायाम् अस्ति –
- | | |
|--------------|-------------|
| (i) बरोदर | (ii) ब्रदर |
| (iii) बिरादर | (iv) बिरोदर |
- (घ) संस्कृतभाषा कस्मिन् परिवारे आगच्छति ?
- | | |
|----------------------|--------------------|
| (i) द्रविड़परिवारे | (ii) विशेषपरिवारे |
| (iii) भारोपीयपरिवारे | (iv) तिब्बतपरिवारे |
- (ङ) 'जकारस्य' उच्चारणस्थानमस्ति –
- | | |
|--------------|------------|
| (i) तालुः | (ii) कण्ठः |
| (iii) मूर्धा | (iv) दन्तः |
- (च) 'अदर्शनं लोपः' इति सूत्रं कां संज्ञां करोति :-
- | | |
|-------------------|---------------|
| (i) संहिता संज्ञा | (ii) पदसंज्ञा |
| (iii) लोपसंज्ञा | (iv) किमपि न |
- (छ) 'प् + र् + अ + ज् + ज्ञ् + आ' इत्यस्य किं सन्धि पदं स्यात् ?
- | | |
|---------------|--------------|
| (i) प्रजा | (ii) पर्जा |
| (iii) प्राज्ञ | (iv) प्रज्ञा |
- (ज) 'लतेशः' इत्यस्य वर्णच्छेदः स्यात् –
- | |
|-------------------------------------|
| (i) ल् + त् + अ + ई + श् + अः |
| (ii) ल् + त् + आ + ई + श् + अः |
| (iii) ल् + अ + त् + आ + ई + श् + अः |
| (iv) ल् + अ + त् + आ + इ + श् + अः |

- (झ) 'मातृ + अंशः' इत्यस्य सन्धिपदं स्यात् -
 (i) मात्रश (ii) मात्रंश
 (iii) मातृश (iv) मात्रांशः
- (ञ) 'गम्' धातोः लङ्लकारस्य उत्तमपुरुषे एकवचने रूपं भवति -
 (i) अगच्छम् (ii) अगच्छम
 (iii) अगच्छाव (iv) अगच्छाम
- (ट) उपमा ? (रिक्तस्थानं पूरयत।)
 (i) कालिदासस्य (ii) भारवेः
 (iii) भर्तृहरेः (iv) भासस्य
- (ठ) वेदाः सन्ति -
 (i) पञ्च (ii) त्रयः
 (iii) चत्वारः (iv) षट्
- (ड) पाठयोजना अस्ति/स्तः -
 (i) चतस्रः (ii) तिस्रः
 (iii) एका (iv) द्वे
- (ढ) 'मालविकाग्निमित्रम्' अस्ति -
 (i) माघस्य (ii) भवभूतेः
 (iii) कालिदासस्य (iv) कस्यापि न
- (ण) 'ऋकारस्य' उच्चारणस्थानमस्ति -
 (i) औष्ठः (ii) मूर्धा
 (iii) तालुः (iv) कण्ठः
-